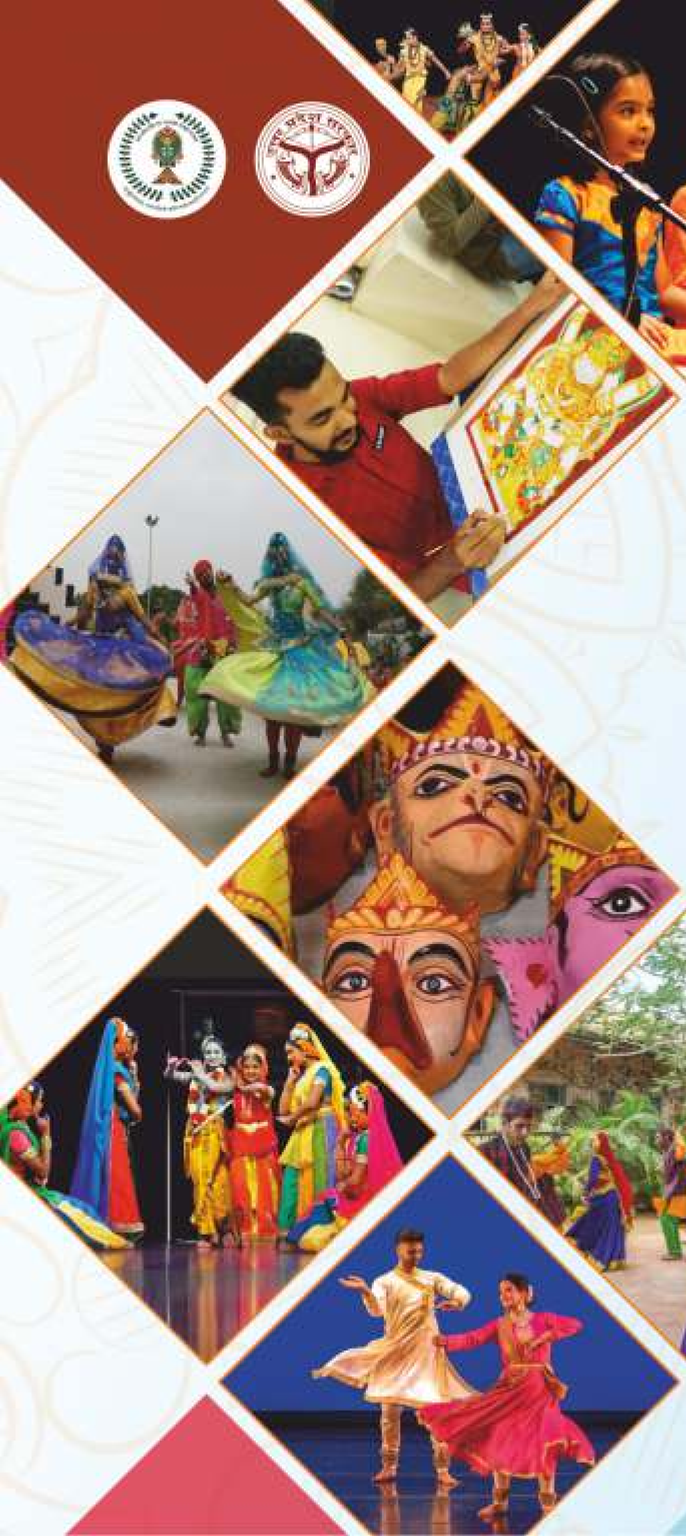

उत्तर प्रदेश के
समस्त जिलों में आयोजित

सृजन

ग्रीष्मकालीन कार्यशाला

आयोजक

**उत्तर प्रदेश लोक एवं
जनजाति संस्कृति संस्थान
लखनऊ**

(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)

कार्यशाला 01

वर्धमान कॉलेज बिजनौर
चित्रकला कार्यशाला

प्रशिक्षक: श्री यशवंत | **दिनांक:** 15 से 22 अप्रैल 2025

कार्यशाला 02

आदर्श प्राथमिक विद्यालय, संत कबीर नगर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: श्री सत्य प्रकाश तिवारी | **दिनांक:** 15 से 25 अप्रैल 2025

कार्यशाला 03

ब्लूमिंग बड्स स्कूल, खलीलाबाद, संत कबीर नगर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: विवेक विशाल | **दिनांक:** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 04

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बाराबंकी
अवधी गीतों की कार्यशाला

प्रशिक्षिका: सरोज श्रीवास्तव | **दिनांक:** 15 से 25 अप्रैल 2025

कार्यशाला 05

वाणी विकलांग सेवा संस्थान, श्रृंगार हाट, अयोध्या
विशेष बच्चों के लिये अल्पना चित्रण कार्यशाला

प्रशिक्षिका: दीपा सिंह रघुवंशी | **दिनांक:** 16 से 23 अप्रैल 2025

कार्यशाला 06

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
चित्रकला कार्यशाला

प्रशिक्षिका: डॉ. सरिता द्विवेदी | **दिनांक:** 2 मई से 8 मई 2025

कार्यशाला 07

बुंदेली चितेरी लोककला केंद्र, उरई जालौन
बुंदेली मुखौटा कार्यशाला

प्रशिक्षक: रोहित विनायक | **दिनांक:** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 08

सिटी कान्वेंट इंटर कॉलेज, लखनऊ
कठपुतली कार्यशाला

प्रशिक्षक: मनमोहन श्रीवास्तव | **दिनांक:** 21 से 28 अप्रैल 2025

कार्यशाला 09

जे. के. विद्या मंदिर, भूरागढ़ बाँदा
नौटंकी कार्यशाला

प्रशिक्षकः विजय बहादुर श्रीवास्तव | **दिनांकः** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 10

श्री दुर्गा सिंह प्राथमिक विद्यालय (मवेशी गली) जगनेर– आगरा
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षकः गोपाल बघेल | **दिनांकः** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 11

बी.पी. चौरसिया जू.हा. स्कूल, रतेह चौराहा, हालिया ब्लाक, मिर्जापुर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: फगुनी देवी | **दिनांक:** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 12

जनजातीय शोध एवं विकास संसथान, वाराणसी
जनजातीय नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षक: विनोद कुमार | **दिनांक:** 21 से 30 अप्रैल 2025

कार्यशाला 13

अतुलानंद कान्वेंट स्कूल, वाराणसी
लोकगायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: कृष्ण कुमार तिवारी | **दिनांक:** 25 अप्रैल से 4 मई 2025

कार्यशाला 14

लाला मनमोहन दास इंटर कॉलेज, झूंसी, प्रयागराज
ढेढिया नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षक: श्याम विहारी गौड़ | **दिनांक:** 25 अप्रैल से 4 मई 2025

कार्यशाला 15

एस.एस. कान्वेंट इंटरमीडिएट कॉलेज, त्रिवेणी नगर, नैनी, प्रयागराज
ढोलक वादन कार्यशाला

प्रशिक्षक: मंजीत कुमार | **दिनांक:** 19 मई से 25 मई 2025

कार्यशाला 16

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर
लोकगायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: उस्ताद सखावत हुसैन खान | **दिनांक:** 25 अप्रैल से 1 मई 2025

कार्यशाला 17

प्रहलाद जू. हा. स्कूल, रामनगर, महोबा
लोकगायन कार्यशाला
प्रशिक्षक: जगप्रसाद तिवारी | दिनांक: 25 अप्रैल से 4 मई 2025

कार्यशाला 18

युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर–खीरी
जनजाति नृत्य एवं गायन कार्यशाला
प्रशिक्षक: प्रेरणा कोठारिया | दिनांक: 23 से 29 अप्रैल 2025

कार्यशाला 19

जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, झाँसी
राई नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: राधा प्रजापति | **दिनांक:** 1 मई से 7 मई 2025

कार्यशाला 20

धर्मसिंह मेमोरियल पब्लिक जूनियर हाईस्कूल, बेहलोलपुर, नोएडा
लोकगीतों की कार्यशाला

प्रशिक्षिका: दामिनी गुप्ता | **दिनांक:** 1 से 10 मई 2025

कार्यशाला 21

अनुभव जीनियस अकैडमी, अर्थला मोहन नगर, गाज़ियाबाद

लोकगीतों की कार्यशाला

प्रशिक्षिका: डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय | दिनांक: 1 से 10 मई 2025

कार्यशाला 22

सर्वहित सर्वोपरि जनकल्याणकारी संस्थान, बालाबेहट, ललितपुर

सहरिया नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षक: हीरालाल प्रजापति | दिनांक: 2 से 11 मई 2025

कार्यशाला 23

श्री राम जस इंटर कॉलेज, जोगा अम्बरपुर, अमेठी

लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: नीलम सिंह | दिनांक: 5 से 14 मई 2025

कार्यशाला 24

गौतमबुद्ध शिक्षा दीक्षा पब्लिक स्कूल, अवस्थी खेड़ा, मगरवारा, उन्नाव

आल्हा गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: रामलखन तिवारी | दिनांक: 5 से 14 मई 2025

कार्यशाला 25

सावित्री बाई फुले राजकीय बालिका इं. कॉलेज, कुर्की बाजार, अम्बेडकरनगर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: महेंद्रा देवी | **दिनांक:** 5 से 14 मई 2025

कार्यशाला 26

बाला जी अकादमी, दुर्गापुरी कॉलोनी, नेहरु नगर, सहारनपुर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: अजय तिवारी | **दिनांक:** 5 से 14 मई 2025

कार्यशाला 27

वी. पी. एम. कान्वेंट स्कूल, भदोही
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: घनश्याम शुक्ला | **दिनांक:** 5 से 14 मई 2025

कार्यशाला 28

आरथा शिक्षा निकेतन, वयपुर देवकली गाजीपुर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: अनूप कुमार प्रजापति | **दिनांक:** 8 से 14 मई 2025

कार्यशाला 29

माँ रेशम देवी भगवान दास आदर्श सीनियर सेकेंड्री स्कूल, मथुरा
रसिया ब्रजलोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: अरुण रावल | **दिनांक:** 6 से 15 मई 2025

कार्यशाला 30

ब्लू बर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल धनोरा, अमरोहा
लोक गीतों में श्रीराम केवट संवाद कार्यशाला

प्रशिक्षक: डा. पंकज दर्पण | **दिनांक:** 6 से 15 मई 2025

कार्यशाला 31

कृष्णा बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मुरादाबाद
लोकगीतों में श्रीराम शबरी प्रसंग कार्यशाला

प्रशिक्षक: विकसित पंडित | दिनांक: 7 से 16 मई 2025

कार्यशाला 32

जनता इंटर कॉलेज परसों, एटा
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: दीक्षा भारती | दिनांक: 7 से 16 मई 2025

कार्यशाला 33

देवनारायण एस. मेमोरियल इंटर कॉलेज बसिला, चंदौली
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: श्री राम यादव | **दिनांक:** 7 से 16 मई 2025

कार्यशाला 34

गौतम बुद्ध शिक्षा एवं जन कल्याण संस्थान, मैनपुरा कन्नौज
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: मंजू देवी | **दिनांक:** 7 से 16 मई 2025

कार्यशाला 35

गान्धर्व संगीत समिति, सुल्तानपुर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: राकेश्वर मालवीय | दिनांक: 10 से 16 मई 2025

कार्यशाला 36

कम्पोजिट विद्यालय, महलिपुर कहिनौर, मऊ
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: रमेश कुमार | दिनांक: 8 से 17 मई 2025

कार्यशाला 37

विकलांग कल्याण सेवा समिति, बदायूँ
विशेष बच्चों के लिये लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: हितेश कुमार भरद्वाज | दिनांक: 10 से 19 मई 2025

कार्यशाला 38

अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान, चित्रकूट
जनजाति कोलहाई नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: श्यामा | दिनांक: 10 से 19 मई 2025

कार्यशाला 39

गीता इंटरनेशनल स्कूल, गोंडा
संस्कार गीत कार्यशाला

प्रशिक्षिका: उर्मिला पाण्डेय | **दिनांक:** 10 से 19 मई 2025

कार्यशाला 40

नवभारत निर्माण ट्रस्ट, गोरखपुर
विशेष बच्चों के लिये लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: अजित उपाध्याय | **दिनांक:** 13 से 19 मई 2025

कार्यशाला 41

श्री हीरानंद इंटर कॉलेज विवांर, हमीरपुर
बुंदेली गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: डॉ. राम भजन सिंह | **दिनांक:** 13 से 22 मई 2025

कार्यशाला 42

सरस्वती बाल मंदिर, जौनपुर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: अशोक कुमार सोनकर | **दिनांक:** 13 से 22 मई 2025

कार्यशाला 43

सनातन धर्म कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर
संस्कार गीतों की कार्यशाला

प्रशिक्षिका: दीपा सोनी | **दिनांक:** 13 से 22 मई 2025

कार्यशाला 44

चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज, बस्ती
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: सीमा सरगम | **दिनांक:** 13 से 22 मई 2025

कार्यशाला 45

सनबीम स्कूल, बलिया
संस्कार गीत कार्यशाला

प्रशिक्षक: शैलेन्द्र कुमार मिश्र | **दिनांक:** 13 से 22 मई 2025

कार्यशाला 46

सेंट आर. एच. कान्वेंट स्कूल लक्ष्मी नगर, हाथरस
लोक नाट्य कार्यशाला

प्रशिक्षक: डॉ. खेमचंद यदुवंशी | **दिनांक:** 14 से 23 मई 2025

कार्यशाला 47

श्री शीतल प्रसाद शोरावल इंटर कॉलेज, इटावा
पारंपरिक चौक पूरण चित्रकला

प्रशिक्षिका: मयूरी शर्मा | दिनांक: 14 से 20 मई 2025

कार्यशाला 48

आर्मी पब्लिक स्कूल, फतेहगढ़ कैंट, फर्रुखाबाद
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: आस्तिकी मिश्रा | दिनांक: 14 से 23 मई 2025

कार्यशाला 49

गगनिका सांस्कृतिक समिति, शाहजहांपुर
मुखौटा कार्यशाला

प्रशिक्षक: कप्तान सिंह कर्णधार | **दिनांक:** 15 से 21 मई 2025

कार्यशाला 50

पंचायत भवन, सोहनी बलई गाँव, बहराइच
मूंज शिल्प कला कार्यशाला

प्रशिक्षिका: राजकुमारी | **दिनांक:** 21 से 27 मई 2025

कार्यशाला 51

श्री लालता प्रसाद श्रीधर विद्यापीठ इं. कॉलेज, इछनापुर म्योनी, हरदोई

ढोला मारु कार्यशाला

प्रशिक्षक: मो. हनीफ | **दिनांक:** 17 से 26 मई 2025

कार्यशाला 52

सूर्यदत्त आनंदी सहगल बालिका इं. कॉलेज, अटौरा खैराबाद, सीतापुर

बधावा लोकनृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: संगमलता | **दिनांक:** 17 से 26 मई 2025

कार्यशाला 53

आत्रेय अकादमी, प्रतापगढ़

देशभक्ति के गीत 'देश राग' कार्यशाला

प्रशिक्षिका: लक्ष्मी देवी | **दिनांक:** 20 से 29 मई 2025

कार्यशाला 54

उड़ान एक नई पहल चौरिटेबल ट्रस्ट, संभल

चन्दौल नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: ममता राजपूत | **दिनांक:** 21 से 30 मई 2025

कार्यशाला 55

गंगा पब्लिक स्कूल, बुलंदशहर
लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षक: मोहित कुमार | दिनांक: 23 से 29 मई 2025

कार्यशाला 56

श्री भुवनेश भूषण शर्मा स्मृति विद्यापीठ, औरैय्या
लोक गायन सोहर कार्यशाला

प्रशिक्षिका: मोनिका शुक्ला | दिनांक: 24 मई से 30 मई 2025

कार्यशाला 57

दुर्गा सांस्कृतिक कला केंद्र, अलीगढ़
मयूर एवं होली नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: पूनम सारस्वत | दिनांक: 23 मई से 1 जून 2025

कार्यशाला 58

एस. एन. पब्लिक स्कूल सिद्धार्थनगर
रंगोली कार्यशाला

प्रशिक्षिका: कहकशां | दिनांक: 24 मई से 30 मई 2025

कार्यशाला 59

कानपुर जिला बाल कल्याण समिति फूलबाग, कानपुर
अवधी लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: सीमा वर्मा | दिनांक: 26 मई से 4 जून 2025

कार्यशाला 60

श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़
सांझी चित्रकला कार्यशाला

प्रशिक्षक: अजीत कुमार पटेल | दिनांक: 4 जून से 10 जून 2025

कार्यशाला 61

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरसागंज, फिरोजाबाद
चित्रकला कार्यशाला

प्रशिक्षिका: सुदेश कुमार | दिनांक: 16 से 22 जुलाई तक

कार्यशाला 62

भाषा विभाग, कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती वि.वि., मेरठ
कजरी लोक नृत्य कार्यशाला

प्रशिक्षिका: गौरव साहा| दिनांक: 25 जुलाई से 4 अगस्त तक

कार्यशाला 63

राम नारायण फूल बदन इंटर कॉलेज, महाराजगंज
कजरी लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: दिग्विजय मौर्य | **दिनांक:** 28 जुलाई से 4 अगस्त तक

कार्यशाला 64

संस्कृति पब्लिक स्कूल, टेकुआटार, कुशीनगर
कजरी लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: धीरज राव | **दिनांक:** 28 जुलाई से 4 अगस्त तक

कार्यशाला 65

किसान इंटर कॉलेज, सुबखा, श्रावस्ती
कजरी लोक गायन कार्यशाला

प्रशिक्षिका: मांडवी तिवारी | दिनांक: 28 जुलाई से 6 अगस्त तक

नई झूंसी के लाला मनमोहनदास इंटर कॉलेज में लोक नृत्य
कार्यशाला में शामिल छात्राएं। संवाद

एलएमडी इंटर कॉलेज में लोक नृत्य की कार्यशाल

झूंसी। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान की ओर से
मनमोहन दास इंटरमीडिएट कॉलेज झूंसी में रविवार से दस दिवसी
ढेढ़िया की कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में ढेढ़िया के अ
अन्य लोक नृत्य और लोकगीत की विधाओं से छात्राओं को परिचि
कराया जाएगा। लोक संगीतकार श्याम बिहारी गौर एवं उनकी टीम
छात्राओं को प्रशिक्षण दे रही है। प्रधानाचार्य डॉ. निरंजन कुमार सिंह
बताया कि इस कार्यशाला में प्रशिक्षित छात्राएं आगे चलकर एक दू
प्रशिक्षित करेंगी। संवाद

शहर से सटे अगरसंडा स्थित सनबीम स्कूल में सृजन संस्कार गीत कार्यशाला के समापन पर प्रशस्ति पत्र के साथ प्रतिभागी = जा

संस्कार गीत कार्यशाला में विद्यार्थियों का हुआ संस्कृति से जुड़ाव

संवाद सहयोगी, जागरण= बलिया: उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ की ओर से अगरसंडा स्थित सनबीम स्कूल में विद्यार्थियों का संस्कृति से जोड़ने के लिए आयोजित 10 दिवसीय सृजन संस्कार गीत कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। 13 से 22 मई तक सुबह आठ से दस बजे तक संचालित कार्यशाला में युवा प्रतिभागियों ने संस्कार गीतों की बारीकियों को सीखकर अपने मनमोहक प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए गीतों ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

कार्यशाला में सनबीम स्कूल की 13 छात्राएं और गाजीपुर से तीन बच्चों ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा. गनेश कुमार पाठक ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। विद्यालय के निदेशक डा. कुंवर अरुण

सिंह ने कहा कि यह कार्य
केवल संगीत का एक
बल्कि बच्चों को भारतीय
और मूल्यों से जोड़ने का
प्रयास भी रहा। उन्होंने भ
ऐसे विभिन्न कौशलों
करने वाले कार्यशाला में
के लिए बच्चों को प्रो
कार्यशाला में शिक्षक
मिश्रा, संगीत शिक्षक
कृष्णा वर्मा आदि थे।

१० दिवसीय आदिवासी कोलहाई नृत्य कार्यशाला का हुआ समापन

बालिकाओं को बांटे गये प्रमाण पत्र

आदिवासी बालिकाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते डॉ० गोपाल मिश्रा, डा० सचिन उपाध्याय साथ में समाजसेवी गोपाल भाई।

(आज समाचार सेवा)

चित्रकूट 10 मई। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ द्वारा संचालित 10 दिवसीय आदिवासी कोलहाई नृत्य कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली आदिवासी बालिकाओं ने शानदार प्रस्तुतियां देकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।
समापन कार्यक्रम में आदिवासी बालिकाओं ने प्रशिक्षण में सिखाए गए राई, कोलहाई नृत्य आदि की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में दिव्यांग विश्वविद्यालय के संगीत संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ० गोपाल मिश्रा ने कहा कि ऐसी प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन प्रशंसनीय है। कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ियों को पुरातन संस्कृति की जानकारी देते हुए उन्हें संरक्षित किया जा रहा है। इस नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति की पहचान कराना एक महत्वपूर्ण कार्य है।
समाजसेवी गोपाल भाई ने कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा लगातार ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बताया कि कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी आदिवासी बालिकाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए है। संस्थान निदेशक राष्ट्रदीप ने बताया कि इस कार्यशाला में 30 आदिवासी बालिकाओं ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।
इस मौके पर दिव्यांग विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ० सचिंद्र उपाध्याय सहित उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यशाला के समापन पर दिए प्रमाण पत्र

बबराला। उड़ान एकेडमी में उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय सृजन ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का गुरुवार को भव्य समापन हो गया। समापन कार्यक्रम की शुरुआत नटराज भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुई। इस अवसर पर कलाकारों ने लोक कला एवं चंडोल नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत चेयरमैन हर्षवर्धन वार्ष्णेय, डॉ. कैलाश वार्ष्णेय तथा संस्कार भारती जिला उपाध्यक्ष डॉ. राहुल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाद में सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने चंडोल नृत्य कला पर बताया कि यह सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी लोककला अब विलुप्त होने के कगार पर है।

बबराला में सृजन कार्यशाला के समापन पर कलाकारों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित। • हिन्दुस्तान

जनजातीय नृत्य सीखने से मजबूत होगी संस्कृति

जनजातीय नृत्य कार्यशाला में संबोधित करते मुख्य अतिथि • जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण, हरहुआ : विलुप्त हो रही आदिवासी संस्कृति को मजबूती प्रदान करने में जनजातीय नृत्य कार्यशाला सहायक माध्यम होगी। समाजसेवी महेंद्र प्रसाद ने उक्त बातें उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति कला संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग) व जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गनेशपुर, हरहुआ में आयोजित दस दिवसीय जनजातीय नृत्य कार्यशाला में कहीं। आदिवासी नायक बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन हुआ। विशिष्ट अतिथि बुधिराम गोंड, बाबूलाल पटेल सहित अन्य अतिथियों ने चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यशाला के प्रशिक्षक विनोद कुमार गोंड व सहायक दिलीप ने प्रतिभागियों को जनजातीय नृत्य के बारे में बताया। कार्यशाला में बृजभान मरावी के सचिव ने कहा कि कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

त हो रहे समर कैंपों में दिख रहा उत्साह

उड़ान ग्रुप द्वारा चंडोल नृत्य की टीम को सम्मानित करते अतिथि • जागरण

चंडोल नृत्य कार्यशाला 'सृजन' का समापन समारोह संपन्न

संस , जागरण • बबराला : उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 'सृजन' का समापन शुक्रवार को उड़ान अकादमी में हुआ। समापन समारोह में कलाकारों ने गुन्नौर के पारंपरिक चंडोल नृत्य का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि हर्षवर्धन वार्ष्णेय ने ममता राजपूत द्वारा इस कला को रजिस्टर्ड कराए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गुन्नौर की सांस्कृतिक पहचान है और इसे जीवित रखना आवश्यक है। इस अवसर पर माही गुप्ता, खुशी वर्मा, अमन राजपूत सहित कई कलाकार उपस्थित रहे। अतिथियों को नटराज भगवान की स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

दस दिवसीय नौटंकी कार्यशाला का शुभारम्भ

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की कार्यक्रम की सराहना

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 20 अप्रैल। उत्तर प्रदेश लोक एवं जन शक्ति संस्कृति संस्थान लखनऊ द्वारा संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं जेके विद्या मंदिर भूरागढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत नौटंकी कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। दस दिवसीय नौटंकी कार्यशाला का दीप प्रज्वलित भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने किया।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता संतु, वरिष्ठ समाजसेवी अमित सेठ भोलू, अनुसूचित मोर्चा के अध्यक्ष संतोष नायक, बड़ोखर मंडल के मंडल अध्यक्ष श्यामबाबू पाल, जिला महामंत्री लखन सिंह राजपूत, युवा मोर्चा के अनिल प्रजापति, नीलू राजपूत, श्री प्रभात, दीपक, दिनेश मांझी, श्रीमती मीना पाल, विजय सिंह, उमा देवी, श्यामलाल प्रधानाचार्य, राजकरण पाल एवं समस्त विद्यालय परिवार मुख्य प्रशिक्षक बुंदेलखंड लोक कला संस्थान पैगम्बरपुर के सचिव विजय बहादुर श्रीवास्तव ने नौटंकी कार्यशाला पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में नौटंकी जैसी लुप्तप्राय लोकविधा को कार्यशालाओं के आयोजन पर भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन रमेश पाल बुंदेली दिवारी लोक कलाकार के द्वारा किया गया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकरण पाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में शामिल बच्चे। छाया:आज

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि व अन्य।

सृजनात्मक कार्यों से बच्चों का होता है मानसिक विकास- डा.रेनू

(आज समाचार सेवा)

उरई (जालौन) २१ अप्रैल। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ व जिला प्रशासन जालौन के संयुक्त तत्वाधान में (सृजन) १० दिवसीय पारंपरिक (बुंदेली मुखौटा) सिखाने की कार्यशाला टाउनहाल में आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ डॉ रेनू चंद्रा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया डॉ रेनू चंद्रा ने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की सृजनात्मक कार्यशालाओं से बच्चों का मानसिक विकास तो होता ही है साथ ही हमारी विलुप्त होती लोक कलाओं को भी एक नई पहचान मिलती है। कार्यक्रम संयोजक रोहित विनायक ने बताया कि ३० अप्रैल तक चलने वाली ये कार्यशाला टाउन हॉल में आयोजित की गई है जिसे कोई भी किसी उम्र का सीख सकता है बुंदेलखंड की पारंपरिक लोक शिल्प शैली के अंतर्गत (मुखौटा) बनाने की कला हमारे यहाँ बहुत प्राचीन रही है लेकिन पिछड़ेपन व गरीबी की वजह से ये कला विलुप्त सी हो गई थी उसके संरक्षण व संवर्धन के लिए कई प्रयास किया जा रहे हैं। कालपी के हस्तनिर्मित कागज के पल्प से तैयार किए जाने वाले ये बुंदेली (मुखौटा) अपनी विशिष्ट कला शैली के लिए जाने जाते हैं। इस १० दिवसीय कार्यशाला में दो दर्जन से भी अधिक छात्र-छात्राएं व महिलाएं इसे बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। इस अवसर पर मनीषा शर्मा डॉ सुमिति श्रीवास्तव डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव इन्दु सांगवान किरन प्रजापति खुशबू गुप्ता साक्षी शुक्ला प्रदीप वर्मा विद्या शर्मा किशन प्रजापति आदि कई छात्र-छात्रा व महिलायें मौजूद रहीं।

सुर संगीत से बच्चों में बढ़ती है एकाग्रता

नौ दिवसीय कार्यशाला सृजन के समापन पर शुक्रवार को प्रमाण पत्र के साथ बच्चे ● सौ. स्कूल

प्रतापगढ़ : नगर के सिनेमा रोड स्थित आत्रेय एकेडमी में नौ दिवसीय देशभक्ति के गीतों की कार्यशाला सृजन का शुक्रवार को समापन हुआ। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के तत्वावधान में निशुल्क आयोजित इस कार्यशाला में बच्चों ने देशभक्ति के गीतों के सुर और गायन सीखे। बच्चों को प्रमाणपत्र दिया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए ...भारती शिवानी मातनहेलिया ने कहा ... सुर और संगीत से बच्चों में एकाग्रता ...ती है। दृश्य और श्रव्य विधि से मिलने ... ज्ञान बच्चों में एक नई ऊर्जा का ... करता है। इसलिए बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ संगीत की शिक्षा भी दिलानी चाहिए। मुख्य अतिथि व्यापारी नेता मंजीत सिंह छाबड़ा ने बच्चों को गुरु अर्जुन सिंह के उपदेश और उनकी वीरता की कहानियां सुनाईं। प्रिंसिपल अनिरु शंकर ने कहा कि मानसिक तनाव कम करने के लिए संगीत और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए तैराकी जरूर सीखना चाहिए। प्रबंधक संदीप श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। इ... मौके पर ममता दयाल, राम शर्मा, प्रभाकर राय, प्रशिक्षक लक्ष्मी, आशु कृष्णा, आनंद, नीरज अग्रहरि आदि रहे। (वि.)

आत्रेय एकेडमी में नवोदित कलाकारों के सुर ताल को मिलेगा निखार

संसू, प्रतापगढ़ : उत्तर प्रदेश लोक व जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ एवं आत्रेय अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 20 जून से 29 जून तक सृजन देशभक्ति गीतों के देश राग पर आधारित नौ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह बातें फुलवारी स्थित आत्रेय परिसर में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए वरिष्ठ संगीतज्ञ डा. शिवानी मातनहेलिया ने कहीं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में नौ दिन तक नवोदित कलाकार बच्चों को देशभक्ति के गीतों के गायन कला के तकनीक को समझाएंगे और उसमें निखार पैदा करेंगे। डा. शिवानी ने कहा कि यह कार्यशाला पूरी तरह निश्शुल्क होगी। अंतिम दिन वृहद कार्यक्रम होगा, जिसमें बच्चे अपने

आत्रेय अकादमी में सृजन देश राग कार्यशाला के विषय में पत्रकारों से वार्ता करतीं डा. शिवानी मातनहेलिया, आत्रेय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य ● जागरण।

गीतों के माध्यम से देशभक्ति के जज्बे का प्रदर्शन करेंगे। प्रधानाचार्य डा. अनिरुद्ध शंकर ने कहा कि विद्यालय परिवार द्वारा समर कैंप का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बच्चों को विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से उनमें छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का कार्य होगा। प्रबंधक संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय परिवार सरकार का आभारी है कि संस्कृति संस्थान लखनऊ के माध्यम से उनके विद्यालय से जुड़कर इस तरह की कार्यशाला के लिए योजना बनाई है।

10 दिवसीय गायन कार्यशाला शुरू

मगहर। उत्तरप्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं आदर्श प्राथमिक विद्यालय डीघा के संयुक्त तत्वावधान में सृजन सांस्कृतिक गायन कार्यशाला का आयोजन 15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक आदर्श प्राथमिक विद्यालय डीघा में आयोजित किया गया है।

उक्त आशय की जानकारी उत्तरप्रदेश लोक एवं संस्कृति विभाग संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित हो रहा है। उन्होंने लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। संवाद

गोरखपुर। बुधवार • 21 मई • 2025
9 गोरखपुर
राष्ट्रीय सहारा www.rashtriyasahara.com

दृष्टिबाधित बच्चों को मिला कला कौशल में बढ़ावा

दृष्टिबाधित विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण के समापन अवसर पर पुरस्कृत प्रतिभागी। फोटो : एसएनबी

गोरखपुर(एसएनबी)। दिव्यांग जनों के लिए संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ एवं नवभारत निर्माण ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय लोक गीत कार्यशाला 'सृजन' स्थल हिन्दी निकट सहबा गंज में ट्रस्ट के नवभारत केंद्र पर चलायी गयी।

कार्यशाला में संगीत के प्रशिक्षक अजीत उपाध्याय, सहायक प्रशिक्षक सुनील कुमार एवं पंकज कुमार द्वारा लोक गीत प्रशिक्षण दिया गया। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विक्रमादित्य नारायण सिंह ने बताया कि दिव्यांगजन को कला से जोड़ने के कई लाभ हैं। जिसमें उनकी रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना, सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना, आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ाना एवं उसमें कला कौशल का विकास करना उनको स्वावलंबी करने के क्रम में कारगर होता है। अंतिम दिन के मुख्य अतिथि निरोज शुक्ला ने अभिषेक तिवारी मोनू संग सभी 40 दृष्टिबाधित बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

VI **दैनिक जागरण** नई दिल्ली, 11 मई, 2025

विविध गतिविधियां

प्रशस्ति पत्र देकर कार्यशाला का किया समापन

अर्थला स्थित अनुभव जीनियस अकेडमी में लोकगीतों की कार्यशाला के समापन पर बच्चों को प्रमाण – पत्र दिए गए ● सौ. आयोजक

जासं, साहिबाबाद : उत्तर प्रदेश लोक व जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में मोहन नगर के अनुभव जीनियस अकेडमी में बीते 10 दिनों से लोकगीतों की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा था। शनिवार को प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर कार्यशाला का समापन किया गया। मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज पुष्कर मौजूद रहे। बच्चों को संगीत की महत्ता बताई। वसुंधरा सेक्टर – 15 स्थित संगीत शिक्षा केंद्र की संचालिका व लोकगायिका डा. मुक्ता वार्ष्णेय द्वारा कार्यशाला में संगीत की बारीकियों की शिक्षा, लोक गायन शैली आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

कोलहाई नृत्य कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते अतिथिगण

नृत्य कार्यशाला के समापन में बांटे प्रमाण पत्र

चित्रकूट। अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान परिसर रानीपुर भट्ट में आदिवासी कोलहाई नृत्य कार्यशाला का समापन हुआ। डॉ. गोपाल मिश्रा विभागाध्यक्ष संगीत संकाय दिव्यांग विवि ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। समापन में आदिवासी बच्चियों ने राई, कोलहाई नृत्य प्रस्तुत किया।

राई नृत्य की रसमयी थाप पर झलकी लोक संस्कृति

उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान ने किया सृजन कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों ने तकनीकी प्रस्तुतियां दे किया प्रतिभा का प्रदर्शन

रवि प्रकाश होंगे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मल्लखंभ के मुख्य निर्णायक

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दी संगीत व नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति

हिन्दुस्तान

जनता इंटर कॉलेज परेशान में प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक एवं लोग। • हिन्दुस्तान

बच्चे ले रहे संगीत संस्कृति का प्रशिक्षण

एटा। जनता इंटर कॉलेज परसोन में लोक एवं जनजाति संगीत संस्कृति प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पांच मई से यह प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इसमें सहायक अध्यापक दीक्षा भारती की ओर से बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इच्छुक बच्चे इस प्रशिक्षण में पहुंचकर लाभ ले सकते है। संगीत के बारे मे जानकारी दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के उद्देश्य

- उत्तर प्रदेश में लोक एवं जनजाति एवं हस्तशिल्प के रूपों प्रतीकों का विकास एवं समन्वय।
- लोक एवं जनजाति कला एवं हस्तशिल्प एवं संस्कृति के शोध कार्यों को प्रोत्साहन एवं प्रोन्नति एवं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ऐसे पुस्तकालयों, अभिलेखागार एवं संग्रहालयों की स्थापना करना जहां पर कलाकृतियां, पुस्तकें, आडियो-वीडियो टेप रिकार्ड आदि हो।
- भारतवर्ष एवं विदेश की ऐसी समान संस्थाओं के साथ सहयोग करना जो लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोन्नति के उद्देश्य की अभिवृद्धि कर रही हों।
- विभिन्न क्षेत्रों की लोक एवं जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति की तकनीकियों का संवर्धन एवं पारस्परिक आदान प्रदान को प्रोत्साहित करना।
- लोक, जनजाति कला एवं हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए ऐसी विभिन्न संस्थाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करना जो इस क्षेत्र में प्रशिक्षण का कार्य कर रही हो।
- ऐसे साहित्य एवं सामग्री का अनुवाद, संग्रहण एवं प्रकाशित करना जो लोक जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति से संबंधित हो।
- लोक, जनजाति कला एवं हस्तशिल्प की गतिविधियों को आयोजित करना एवं प्रोत्साहित करना।
- प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लोक, जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति को पुनर्जीवित कर संरक्षित करना और उनके विकास को प्रोत्साहित करना।
- प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लोक, जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति को पुनर्जीवित कर संरक्षित करना और उनके विकास को प्रोत्साहित करना।
- लोक, जनजाति कला एवं हस्तशिल्प की ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना जिनसे व्यावसायिक गतिविधियों की अभिवृद्धि हो सके।
- लोक एवं जनजाति कला एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में अपने कार्य की साधना में लगे हुए ऐसे कलाकारों एवं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें मान्यता प्रदान करना तथा उन्हें सम्मान इत्यादि प्रदान करना।
- ऐसी संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करना जो लोक एवं जनजाति कला एवं हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास कार्य में कार्यरत् हों।
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर विभिन्न क्षेत्रों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ एवं सपुष्ट करना।
- लोक एवं जनजाति कला एवं हस्तशिल्प के प्रोत्साहन के लिए आवश्यक आधारभूत संसाधनों की सुविधाओं का निर्माण एवं उनमें उपकरण आदि की व्यवस्था को सुदृढ़ करना एवं ऐसी मान्यताप्राप्त संस्थाओं को इस प्रकार के निर्माण एवं उपकरणों की संवृद्धि एवं रख-रखाव के लिए उपर्युक्त आवश्यक आधारभूत संसाधनों की सुविधाओं हेतु अनुदान देना।
- लोक एवं जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति के प्रोत्साहन हेतु व्याख्यानमाला सम्भाषण इत्यादि आयोजित करना तथा शोध एवं अध्ययन कार्यों हेतु अनुदान देना।
- लोक एवं जनजाति कला, हस्तशिल्प के संवर्धन एवं इस प्रकार की संस्कृतियों के लिए रंगमण्डल इत्यादि स्थापित करना। लोक एवं जनजाति कला, हस्तशिल्प एवं संस्कृति को व्यापक परिदृश्य प्रदान करने के उद्देश्य से सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण की योजनाओं को क्रियान्वित करना।
- संस्थान के ऐसे उद्देश्यों जो अपरिहार्य एवं व्यवहार योग्य हो, की पूर्ति हेतु उपहार, क्रय, विनिमय, पट्टा अथवा किराया अथवा अन्य किसी प्रकार की चल-अचल सम्पत्ति ग्रहण की जा सकती है एवं संस्थान द्वारा ऐसे भवनों का निर्माण, सुधार, परिवर्तन, मरम्मत एवं नष्ट किया जा सकता है जिनसे संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति हो।
- संस्थान के प्राविधानित नियमों एवं नियमावलियों के अन्तर्गत जैसा कि समय-समय पर निर्धारित किया जाये, संस्थान के ऐसे धन एवं ऋण-पत्रों का निवेश एवं लेन-देन किया जा सकता है जो कि संस्थान की गतिविधियों हेतु तात्कालिक रूप से आवश्यक न हों।

आयोजक

उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ

(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)

पता: कक्ष संख्या 918, 925, 926, 927
9वीं मंजिल जवाहर भवन, लखनऊ

संपर्क: +91 9415611896

ई-मेल: faslkoup.2018@gmail.com